

## ● गाओ और समझो :

### ५. एक चपाती

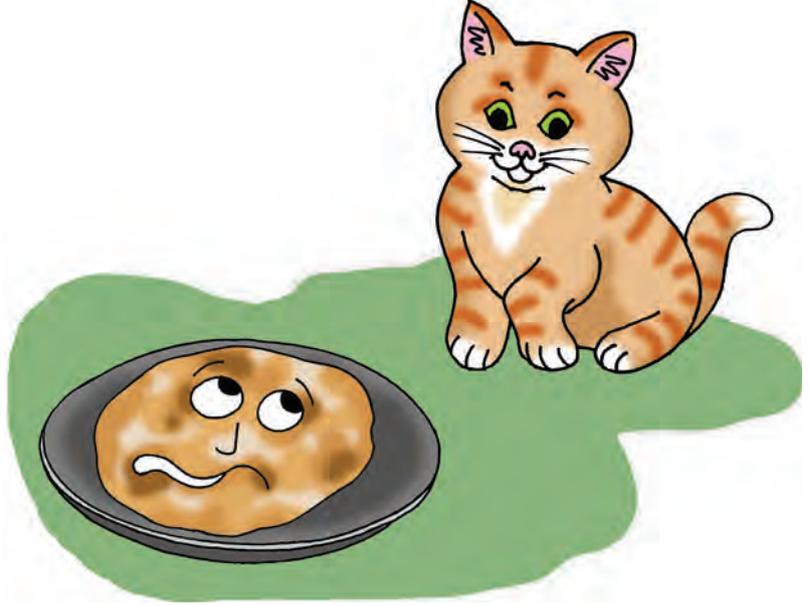
-रमेश तैलंग

जन्म : २ जून १९४६, टीकमगढ़ (मध्यप्रदेश) रचनाएँ : हिंदी के नए बालगीत उड़न खटोले, एक चपाती और अन्य बालकविताएँ आदि ।

परिचय : आप १९६५ से प्रमुख राष्ट्रीय दैनिकों में लेखन कर रहे हैं ।

इस कविता में चपाती और बिल्ली के बीच घटी मजेदार घटना को हास्य रूप में व्यक्त किया है ।

ताती-ताती एक चपाती  
दिखी तवे पर पेट फुलाती  
बिल्ली मौसी बोली-“म्याँऊँ !  
भूख लगी, मैं तुझको खाऊँ ।”  
सुनकर उछली दूर चपाती,  
बोली फिर आँखें मटकाती-  
“मौसी पहले मक्खन ला ।  
फिर चाहे मुझको खा जा ।”  
देख चपाती की ठनगन,  
बिल्ली ले आई मक्खन ।  
गुराकर फिर बोली-“म्याँऊँ !  
अब तो मैं तुझको खा जाऊँ ?”  
सुनकर उछली दूर चपाती,  
बोली फिर आँखें मटकाती-



“हाँ, हाँ, पहले गुड़ तो ला ।  
फिर चाहे मुझको खा जा ।”  
बिल्ली चल दी गुड़ लाने ।  
लगी लौटकर झुँझलाने ।  
“म्याँऊँ ! म्याँऊँ ! म्याँऊँ !  
अब मैं खाऊँ । अब मैं खाऊँ”  
मन ही मन में गढ़ी चपाती,  
सोचा-‘अब तो मरी चपाती ।’  
चिढ़कर बोली-‘खा नकटी ।’  
बिल्ली गुस्से में झपटी ।  
कमरे में आते ही माँ के,  
बिल्ली भागी दुम दबा के  
आँख खोल चपाती मुस्काई,  
माँ ने उसकी जान बचाई ।



□ विद्यार्थियों से एकल एवं सामूहिक कविता पाठ कराएँ । प्रश्नोत्तर के माध्यम से बिल्ली और चपाती के बीच हुए संवादों को स्पष्ट करें । उन्हें बाल-जगत से संबंधित अन्य किसी कल्पना के प्रति बाल मनोभाव व्यक्त करके प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करें ।